करेंट अफ़ेयर्स

झारखण्ड

(संग्रह)

अप्रैल

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

झारखण्ड 3

- सरहुल महोत्सव 3
- झारखंड में NAFLD के लिये अभियान 4
- झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान का अंतिम चरण 6
- बोकारो वन भूमि घोटाला 8
- झारखंड में भारत का पहला भेड़िया अभयारण्य 9

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

झारखण्ड

सरहुल महोत्सव

चर्चा में क्यों ?

1 अप्रैल 2025 को झारखंड **और** छोटे नागपुर क्षेत्र के आदिवासियों **ने** सरहुल त्योहार के साथ नए साल और वसंत के आगमन का उत्सव मनाया।

मुख्य बिंदु

- **प्रकृति और साल वृक्ष की पूजा:**
  - आदिवासी **साल वृक्षों (शोरिया रोबस्टा) की** पूजा करते हैं, उनका मानना है कि ये **सरना माँ का निवास स्थान है, जो गाँवों को** प्राकृतिक आपदाओं **से बचाती हैं।**
  - **सरहुल, जिसका अर्थ है "साल वृक्ष की पूजा",** सबसे पूजनीय आदिवासी त्योहारों में से एक है, जो **सूर्य और पृथ्वी के मिलन का प्रतीक है।**
    - **पाहन (गाँव का पुजारी) सूर्य का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि उसकी पत्नी (पाहेन) पृथ्वी का प्रतीक है।**
  - इस पवित्र मिलन को जीवन को बनाए रखने के लिये आवश्यक माना जाता है, क्योंकि यह सूर्य की किरणों का मिट्टी से मिलकर विकास को सक्षम बनाता है।
  - आदिवासी सरहुल अनुष्ठान पूरा करने के बाद ही **अपने खेतों की जुताई, फसल बोना और वन उपज एकत्र करना शुरू करते हैं।**
  - यह त्योहार **उरांव,** मुंडा, संथाल, **खड़िया और हो जनजातियों द्वारा मनाया जाता है, जिनमें से प्रत्येक की अलग-अलग परंपराएँ हैं।**
- **सरहुल का विकास और इसका राजनीतिक महत्त्व:**
  - 1960 के दशक में आदिवासी नेता बाबा कार्तिक उरांव ने सामाजिक न्याय और आदिवासी पहचान संरक्षण की वकालत करते हुए **राँची में सरहुल उत्सव शुरू किया।**
  - पिछले 60 वर्षों में यह उत्सव सरहुल का एक महत्त्वपूर्ण पहलू बन गया है तथा राँची में सिरम टोली सरना स्थल एक प्रमुख सभा स्थल बन गया है।
  - यह त्योहार राजनीतिक रूप से भी महत्त्वपूर्ण हो गया है तथा आदिवासी पहचान को विकसित करने के लिये एक मंच के रूप में कार्य कर रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

साल वृक्ष

- **परिचय:**
  - **शोरिया रोबस्टा** या साल वृक्ष, डिप्टेरोकार्पेसी परिवार का एक वृक्ष प्रजाति है।
  - यह वृक्ष **भारत, बांग्लादेश, नेपाल, तिब्बत और हिमालयी क्षेत्रों का मूल निवासी है।**
- **विवरण:**
  - यह **40 मीटर तक ऊँचा हो सकता है** तथा इसके **तने का व्यास 2 मीटर होता है।**
  - पत्तियाँ **10-25 सेमी लंबी और 5-15 सेमी चौड़ी होती हैं।**
  - **आर्द्र क्षेत्रों** में साल **सदाबहार होता है; शुष्क क्षेत्रों में** यह **शुष्क ऋतु में पर्णपाती होता है,** जिसके अधिकांश पत्ते फरवरी से अप्रैल तक गिर जाते हैं तथा अप्रैल और मई में पुन: पत्ते निकल आते हैं।
  - साल के वृक्ष को मध्य प्रदेश, ओडिशा और झारखंड सहित **उत्तरी भारत में सखुआ के नाम से भी जाना जाता है।**
  - यह दो भारतीय राज्यों– **छत्तीसगढ़ और झारखंड का राज्य वृक्ष है।**

झारखंड में NAFLD के लिये अभियान

चर्चा में क्यों?

राँची झारखंड का पहला ज़िला बनने जा रहा है, जो नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज (NAFLD) की जाँच और प्रबंधन के लिये बड़े पैमाने पर अभियान लागू करेगा।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य और कार्यान्वयन:**
  - **राँची में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (NP-NCD)** के अंतर्गत NAFLD के लिये झारखंड का पहला बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग और प्रबंधन अभियान शुरू किया जाएगा।
  - यह पहल फैटी लीवर रोग के बढ़ते बोझ से निपटने के लिये शीघ्र पहचान, क्षमता निर्माण और स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करने पर केंद्रित है।
- **शुभारंभ और महत्त्व:**
  - **यह अभियान 19 अप्रैल 2025 को विश्व लिवर दिवस** पर शुरू किया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

- **दो-चरणीय कार्यान्वयन:**
  - **चरण 1 (अप्रैल-जून 2025):**
    - उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों को लक्षित करता है - जो मोटापे, मधुमेह और उच्च रक्तचाप से ग्रस्त हैं।
    - इसमें 30,000 सामान्य जनसंख्या सदस्यों की स्क्रीनिंग शामिल है।
  - **चरण 2 (जुलाई-नवंबर 2025):**
    - राँची ज़िले में 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी वयस्कों के लिये स्क्रीनिंग का विस्तार किया गया।
    - **यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान (ILBS), नई दिल्ली** तकनीकी सहायता प्रदान करेगा।
- **मोबाइल स्क्रीनिंग वैन:**
  - फाइब्रो-स्कैन तकनीक से लैस अत्याधुनिक मोबाइल वैन शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नि:शुल्क जाँच करेंगी।
  - प्रत्येक वैन की लागत 1 करोड़ रुपए है और यह उन्नत लिवर स्क्रीनिंग विधियों के माध्यम से सटीक निदान सुनिश्चित करती है।
- **स्वास्थ्य पर प्रभाव और शीघ्र पता लगाने की आवश्यकता:**
  - राँची में लगभग 50% ओपीडी मरीज लीवर से संबंधित बीमारियों से पीड़ित हैं।
  - औसतन प्रतिदिन 25 रोगियों का निदान किया जाता है, जिनमें से पाँच को अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता होती है।
  - पिछले वर्ष, यकृत रोग से संबंधित पाँच मौतें दर्ज की गईं, जिससे शीघ्र हस्तक्षेप की आवश्यकता पर प्रकाश पड़ा।
- **डाटा संग्रहण और निगरानी:**
  - स्क्रीनिंग डाटा को एक ट्रैकिंग सिस्टम में तब तक दर्ज किया जाएगा जब तक कि राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल NAFLD-विशिष्ट रिकॉर्ड को एकीकृत नहीं कर देता।
  - कार्यक्रम का उद्देश्य रेफरल प्रणाली को मज़बूत करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मरीजों को विशेष चिकित्सा देखभाल प्राप्त हो।
  - यह पहल राँची को NAFLD प्रबंधन में अग्रणी बनाती है तथा **राष्ट्रव्यापी यकृत रोग की रोकथाम और नियंत्रण के लिये एक उदाहरण स्थापित करती है।**

नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग

- **परिचय:** NAFLD एक ऐसी स्थिति है जिसमें शराब के बिना भी **लिवर में वसा का संग्रहण** हो जाता है।
  - इसमें दो प्रकार शामिल हैं: **नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर (NAFL)** और **नॉन-अल्कोहलिक स्टीटोहेपेटाइटिस (NASH)**।
- NAFLD के प्रकार
  - NAFL: इसमें **लिवर में वसा का निर्माण** होने के साथ **सूजन या क्षति न्यूनतम या शून्य** होती है।
    - इससे आमतौर पर लिवर संबंधी जटिलताएँ नहीं होती हैं लेकिन यकृत में वृद्धि के साथ असुविधा हो सकती है।
  - NASH: इसमें **वसा का निर्माण तथा लिवर की सूजन** दोनों ही शामिल हैं, जिससे **लिवर क्षतिग्रस्त** होने के साथ **फाइब्रोसिस** (ऐसी स्थिति जिसमें लिवर में स्कार ऊतक की अधिकता हो जाती है) एवं संभावित रूप से **सिरोसिस (** ऐसी स्थिति जिससे लिवर कैंसर के जोखिम में वृद्धि होती है) की समस्या हो सकती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **लक्षण और कारण:** NAFLD अक्सर लक्षणहीन होता है लेकिन **मोटापा, मेटाबोलिक सिंड्रोम** (चयापचय संबंधी असामान्यताओं का समूह) एवं **टाइप 2 मधुमेह** जैसी स्थितियाँ इसके जोखिम को बढ़ा देती हैं।
- **निदान: NAFLD का निदान चिकित्सा इतिहास, शारीरिक परीक्षण और NAFL एवं NASH के बीच अंतर करने के लिये** रक्त परीक्षण, इमेजिंग तथा यकृत बायोप्सी जैसे परीक्षणों के माध्यम से किया जाता है।
- **उपचार: वजन कम करना,** NAFLD के प्रबंधन के लिये महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे वसा, सूजन एवं लिवर फाइब्रोसिस (ऐसी स्थिति जिसमें लिवर में स्कार ऊतक की अधिकता हो जाती है) की स्थिति को रोका जा सकता है।
- **रोकथाम:** स्वस्थ आहार और वजन में संतुलन बनाए रखने से NAFLD को रोकने या प्रबंधित करने में मदद मिल सकती है। प्रभावित लोगों के लिये स्वस्थ आहार और वजन घटाने की सलाह दी जाती है।

झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान का अंतिम चरण

चर्चा में क्यों?

झारखंड के मुख्यमंत्री ने कहा है कि **राज्य में वामपंथी उग्रवाद (LWE) के खिलाफ लड़ाई अब अपने अंतिम चरण में है,** जो आतंकवाद विरोधी अभियानों में महत्त्वपूर्ण प्रगति का संकेत है।

- **उनकी यह टिप्पणी पश्चिमी सिंहभूम में हुए** एक **इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED)** विस्फोट के बाद आई है, जिसमें झारखंड जगुआर के एक जवान की मौत हो गई थी।

नोट: झारखंड जगुआर की स्थापना वर्ष **2008 में** राज्य में **वामपंथी उग्रवाद को खत्म करने के लिये की गई थी।**

मुख्य बिंदु

- **नक्सलवाद को नियंत्रित करने के लिये सरकार की कुछ पहल:**
- **विशेष केंद्रीय सहायता (SCA):**
  - इस योजना को वर्ष **2017 में मंज़ूरी दी गई थी और इसे व्यापक योजना 'पुलिस बलों के आधुनिकीकरण'** की उप-योजना के रूप में कार्यान्वित किया जा रहा है।
  - इस योजना का मुख्य उद्देश्य **वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित अधिकांश ज़िलों में सार्वजनिक अवसंरचना और सेवाओं में महत्त्वपूर्ण अंतराल को भरना है।**
- **सुरक्षा संबंधी व्यय (SRE) योजना:**
  - केंद्र सरकार **लातेहार और पश्चिमी सिंहभूम** जैसे प्रभावित ज़िलों में **सुरक्षा अभियान, प्रशिक्षण, अनुग्रह भुगतान** और **आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास से संबंधित लागतों की प्रतिपूर्ति करती है।**
- **किलेबंद पुलिस स्टेशनों का निर्माण:**
  - स्थानीय कानून प्रवर्तन को मज़बूत करने के एक हिस्से के रूप में, **विशेष अवसंरचना योजना** के तहत झारखंड के संवेदनशील ज़िलों में **कई किलेबंद पुलिस स्टेशनों का निर्माण किया गया है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- वामपंथी उग्रवाद द्वारा की गई हिंसा का राज्यवार विवरण (दर्ज मौतों की संख्या) (पिछले 3 वर्ष):

State	2022	2023	2024
Andhra Pradesh	3	3	1
Bihar	11	4	2
Chhattisgarh	246	305	267
Jharkhand	96	129	69
Kerala	0	4	0
Madhya Pradesh	16	7	11
Maharashtra	16	19	10
Odisha	16	12	6
Telangana	9	3	8
West Bengal	0	0	0
TOTAL	413	485	374

इंप्रोवाइज्ड विस्फोटक उपकरण

- इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) **एक स्वदेशी बम है, जिसे लक्ष्यों को नष्ट करने या अक्षम करने के लिये डिज़ाइन किया गया है,** जिसका उपयोग आमतौर पर अपराधियों, आतंकवादियों और विद्रोहियों द्वारा विभिन्न रूपों में किया जाता है।
- IED को **कई तरीकों से पहुँचाया जा सकता है,** जिसमें वाहनों द्वारा, व्यक्तियों द्वारा रखा जाना या सड़क के किनारे छिपाया जाना शामिल है तथा वर्ष 2003 में शुरू हुए इराक युद्ध के दौरान इसे प्रमुखता मिली।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

बोकारो वन भूमि घोटाला

चर्चा में क्यों?

22 अप्रैल, 2025 को प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने **बोकारो वन भूमि घोटाले** में झारखंड और बिहार में कई स्थानों पर छापेमारी की।

मुख्य बिंदु

- **मामले की प्रकृति:**
  - ये छापे बोकारो ज़िले **में 74.38 एकड़ वन भूमि के अवैध अधिग्रहण से** जुड़े एक बड़े **धन शोधन जाँच से जुड़े हैं।**
  - आरोप है कि भू-माफिया ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर विवादित भूमि को एक निजी कंपनी को हस्तांतरित कर दिया।
  - ED **उमायुष मल्टीकॉम प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े व्यक्तियों की जाँच कर रही है, जिस कंपनी ने भूमि खरीदी थी।**
  - यह भूमि अभी भी कानूनी विवाद में है, **वन विभाग का दावा है कि यह संरक्षित वन भूमि है,** जबकि **खरीदारों का तर्क है कि इसे ब्रिटिश शासन के तहत वर्ष 1933 की नीलामी में कानूनी रूप से अधिगृहीत किया गया था।**
  - ED ने झारखंड और बिहार में 15 स्थानों पर छापेमारी की, जिसमें मनमोहन कंस्ट्रक्शन, बोकारो वन विभाग, उपायुक्त कार्यालय, बोकारो में क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय शामिल हैं।

बोकारो वन भूमि

- **स्थान और क्षेत्र:**
  - बोकारो वन प्रभाग पूरी तरह से **पूर्वी झारखंड के बोकारो ज़िले में आता है।** इसमें **543.933 वर्ग किलोमीटर वन भूमि शामिल है।**
- **ऐतिहासिक संदर्भ:**
  - स्वतंत्रता से पहले ये वन **रामगढ़ राज्य का हिस्सा थे और बाद में वर्ष 1997 में बोकारो वन प्रभाग बनने** से पहले इनका प्रबंधन अन्य प्रभागों द्वारा किया जाता था।
- **भौगोलिक सुविधाएँ:**
  - ये वन **छोटा नागपुर पठार के भीतर स्थित हैं** तथा इनमें विभिन्न प्रकार के वन पारिस्थितिकी तंत्र हैं।
- **महत्त्व:**
  - यह प्रभाग बोकारो क्षेत्र में **वन संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।**

प्रवर्तन निदेशालय (ED)

- **परिचय:**
  - ED एक **बहु-विषयक संगठन है, जिसका कार्य धन शोधन और विदेशी मुद्रा कानूनों के उल्लंघन** के अपराधों की जाँच करना है।
    - यह **वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के अधीन कार्य करता है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- भारत सरकार की एक प्रमुख वित्तीय जाँच एजेंसी के रूप में, ED **भारत के संविधान और कानूनों का कड़ाई से अनुपालन करते हुए कार्य करती है।**
- **संरचना:**
  - ED का मुख्यालय नई दिल्ली में है और इसका नेतृत्व **प्रवर्तन निदेशक करते हैं।**
    - मुंबई, चेन्नई, चंडीगढ़, कोलकाता और दिल्ली में पाँच क्षेत्रीय कार्यालय हैं, जिनका नेतृत्व विशेष प्रवर्तन निदेशक करते हैं।
- **भर्ती:**
  - अधिकारियों की भर्ती **प्रत्यक्ष रूप से या** अन्य जाँच एजेंसियों से अधिकारियों को लेकर की जाती है।
  - **इसमें IRS (भारतीय राजस्व सेवा), IPS (भारतीय पुलिस सेवा) और IAS (भारतीय प्रशासनिक सेवा)** के अधिकारी शामिल हैं, जैसे आयकर अधिकारी, आबकारी अधिकारी, सीमा शुल्क अधिकारी और पुलिस।
- **कार्यकाल:** दो वर्ष, लेकिन निदेशकों का कार्यकाल तीन वार्षिक विस्तार देकर दो से पाँच वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।
  - दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (DSPE) अधिनियम, 1946 **(ED के लिये)** और केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) अधिनियम, 2003 **(CV आयुक्तों के लिये) में** संशोधन किया गया है, ताकि सरकार को दोनों प्रमुखों को उनके दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के बाद एक वर्ष तक अपने पद पर बनाए रखने का अधिकार मिल सके।

झारखंड में भारत का पहला भेड़िया अभयारण्य

चर्चा में क्यों?

झारखंड के लातेहार ज़िले में स्थित महुआदानर **भेड़िया अभयारण्य** भारत का पहला और एकमात्र **भेड़ियों को समर्पित अभयारण्य है।**

मुख्य बिंदु

- **अभयारण्य के बारे में:**

  - **यह सरना धर्म का पालन करने वाले जनजातीय समुदायों** के निवास वाले क्षेत्र में स्थित है।
  - 80% से अधिक स्थानीय आबादी सरना कोड **का** पालन करती है, जो एक **प्रकृति-पूजक धर्म है** जिसमें वनों, नदियों और प्राकृतिक तत्त्वों का सम्मान किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **भेड़िया संरक्षण का समर्थन करने वाली पारंपरिक मान्यताएँ:**
  - एक उल्लेखनीय सांस्कृतिक प्रथा है, जिसमें शीतकाल (नवंबर से फरवरी) के दौरान साल के जंगलों में मौसमी रूप से जाने से बचते हैं। यह प्रथा साल वृक्ष के पवित्र खिलने के मौसम से मेल खाती है।
  - यह सांस्कृतिक प्रथा कम-से-कम मानवीय व्यवधान की अवधि का निर्माण करती है, जो **भेड़ियों के महत्त्वपूर्ण प्रजनन और मांद बनाने के मौसम के साथ पूरी तरह से संरेखित होती है।**
- **वैज्ञानिक अनुसंधान से प्राप्त अंतर्दृष्टि:**
  - **नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स** में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन, जिसका शीर्षक था "**पारिस्थितिक और सांस्कृतिक कारकों को ध्यान में रखते हुए महुआडानर वुल्फ अभयारण्य के आदिवासी परिदृश्यों में भारतीय ग्रे भेड़ियों द्वारा मांद स्थल का चयन**", ने इस बात की जाँच की कि भेड़िये इस अद्वितीय सांस्कृतिक-पारिस्थितिक व्यवस्था में मांद स्थल का चयन कैसे करते हैं।
  - शोधकर्त्ताओं ने परिकल्पना की कि भेड़िये शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों को अपने मांद के लिये पसंद करेंगे, साथ ही सांस्कृतिक रूप से लगाए गए मानव परिहार क्षेत्रों से भी लाभान्वित होंगे।
- **भारतीय भेड़ियों का भविष्य:**
  - भारतीय भूरे भेड़ियों और अन्य कम ज्ञात मांसाहारी प्रजातियों का भविष्य **वैज्ञानिक दृष्टिकोण** और **पारंपरिक ज्ञान** के **संयोजन पर निर्भर** कर सकता है।
  - संरक्षण रणनीतियों को महज कानूनी ढाँचे से आगे बढ़कर सांस्कृतिक मूल्यों को शामिल करना होगा, जिन्होंने लंबे समय से पारिस्थितिकी तंत्र को प्राकृतिक रूप से सुरक्षित रखा है।

इंडियन ग्रे वुल्फ

- भारतीय ग्रे वुल्फ (*Canis lupus pallipes*) ग्रे वुल्फ की एक उप-प्रजाति है जो दक्षिण-पश्चिम एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप में पाई जाती है।
  - यह **छोटे झुंड में रहता है** और अन्य भेड़िया उप-प्रजातियों की तुलना में **कम मुखर** होता है।
  - यह **मुख्यतः रात्रिचर** है, जो शाम से सुबह तक शिकार करता है।
- **प्राकृतिक आवास:** यह भारत की **झाड़ियों, घास के मैदानों** और **अर्द्ध-शुष्क कृषि-पारिस्थितिक तंत्र** में एक शीर्ष शिकारी है।यह गर्म तापमान वाले क्षेत्रों में पनपता है।
- **संरक्षण की स्थिति:**
  - **IUCN: लुप्तप्राय** (भारत में संख्या: 2,000 - 3,000)।
  - **CITES:** परिशिष्ट I
  - **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972:** अनुसूची I

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :